मूल हिन्दी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2383
03.08.2026 को उत्तर के लिए

इटावा सफारी पार्क को वित्तीय सहायता

2383. श्री जितेंद्र दोहरे:

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार इटावा सफारी पार्क के रखरखाव, बुनियादी ढांचे के विकास और वन्यजीव संरक्षण के लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) या अन्य केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से इस सफारी पार्क को आवंटित और जारी की गई निधि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से इटावा सफारी पार्क के विस्तार या नए जानवरों (जैसे शेर, चीते आदि) के स्थानांतरण/लाये जाने के लिए वित्तीय सहायता हेतु कोई नया प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और
(घ) यदि हां, तो इस प्रस्ताव पर सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है और इस उद्देश्य के लिए कितनी निधि स्वीकृत किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) इटावा में स्थित शेर प्रजनन केंद्र और बहुप्राणी सफारी, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्राप्त चिड़ियाघर है। चिड़ियाघर मान्यता नियम, 2009 के अंतर्गत चिड़ियाघर के रखरखाव, आधारभूत अवसंरचना के विकास तथा वन्यजीव संरक्षण हेतु आवश्यक धनराशि की व्यवस्था करने का प्राथमिक दायित्व चिड़ियाघर संचालक का होता है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, चिड़ियाघरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्राथमिकता संबंधी दिशानिर्देश (2012) के अनुसार, संबंधित चिड़ियाघरों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर और बजट की उपलब्धता के अधीन, मान्यता प्राप्त चिड़ियाघरों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, उत्तर प्रदेश के इटावा स्थित शेर प्रजनन केंद्र और बहुप्राणी सफारी पार्क से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा 23.00 लाख रुपये की राशि जारी की गई थी। हालांकि, इटावा सफारी पार्क के विस्तार या नए जानवरों (जैसे शेर, चीता आदि) के स्थानांतरण/लाये जाने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य से वर्ष 2023-24 और 2025-26 के प्रस्ताव केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को प्राप्त नहीं हुए हैं।

***